अनुक्रमांक :

कोड : MMS 017

एमबीए/पीजीडीएचआरएम

वर्ष : मई-2013

चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन), प्रश्नपत्र – 01

औद्योगिक संबंध प्रबंध

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. 'मधुर औद्योगिक संबंध समाज तथा देश के हित में हैं।' इस कथन की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 2. श्रम संघ का आशय स्पष्ट करते हुए एक सुदृढ़ श्रम संघ के विभिन्न कार्यों तथा तत्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. औद्योगिक संबंध से आपका क्या आशय है? इसकी अवधारणा, महत्ता तथा क्षेत्र का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. औद्योगिक विवाद के प्रमुख कारण क्या हैं? इसके नकारात्मक तथा सकारात्मक प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 5. हड़ताल व तालाबंदी से आप क्या समझते हैं? इनके संबंध में कानूनी प्रावधान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 6. सामूहिक सौदेबाजी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए एक प्रभावशाली सामूहिक सौदेबाजी की पूर्व आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. क्या भारत में प्रबंध में कर्मचारियों की सहभागिता है? प्रबंध में श्रमिकों की सहभागिता के विभिन्न स्तरों पर लेख लिखिए।

प्रश्न 8. अनुशासन की विस्तृत विवेचना करते हुए स्पष्ट कीजिए कि कर्मचारी अनुशासन से संगठन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 9. कार्मिक परिवेदना निवारण पर प्रकाश डालते हुए 'कर्मचारी अनुशासन से संगठन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) सुदृढ़ श्रम संघ के तत्व
(ख) सेवायोजकों के संघटन
(ग) भारत में सामाजिक सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी उपाय
(घ) भारत में सहभागिता विचारधारा का विकास

अनुक्रमांक :

कोड : MMS 018

एमबीए/पीजीडीएचआरएम

वर्ष : मई-2013

चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन), प्रश्नपत्र – 02

मानव संसाधन प्रबंध और विकास

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. भारतीय एवं विदेशी परिवेश में मानव संसाधन प्रबंध की आवश्यकता का विवेचन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि भारतीय उपक्रमों में इसके समक्ष क्या प्रमुख चुनौतियाँ हैं?

प्रश्न 2. भारत में मानव संसाधन विकास की उभरती पद्धतियों की व्याख्या करते हुए इसके आधुनिक सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. संयुक्त राज्य अमेरिका व भारत के मानव संसाधन विकास के अनुभवों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4. मानव संसाधन नियोजन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसकी आवश्यकता, प्रक्रिया तथा विधियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. मानव संसाधन विकास के उपकरणों की चर्चा करते हुए इसके गुणात्मक तथा मात्रात्मक पक्ष की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 6. प्रशिक्षण एवं अधिशासी विकास क्या है? इसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. व्यावसायिक संगठनों के विकास में प्रशिक्षण की भूमिका, विभिन्न विधियाँ एवं इनके महत्व की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए तथा प्रशिक्षण मूल्यांकन पत्रक प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 8. 'क्षमता प्रबंध किसी संगठन के हित में होता है।' इस कथन पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्न 9. मानव संसाधन प्रबंधों में निष्पादन मूल्यांकन के महत्व को रेखांकित करते हुए 360 डिग्री निष्पादन मूल्यांकन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) वेतन एवं मजदूरी प्रशिक्षण
(ख) कार्य जीवन किस्म
(ग) प्रभावी प्रशिक्षण के अवरोध
(घ) निष्पादन प्रबंध हेतु आवश्यक तत्व

एमबीए

वर्ष : 2010-2013

चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन), प्रश्नपत्र – 03

संगठनात्मक परिवर्तन और विकास

समय: 3 घंटे पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. संगठनात्मक परिवर्तन से आपका क्या आशय है? इसकी प्रकृति एवं आधुनिक प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 2. परिवर्तन के विरोध को कम करने की विधियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. परिवर्तन का कर्ट लेविन्स मॉडल क्या है? इसके मुख्य उपबंधों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 4. परिवर्तन का प्रबंध किस प्रकार किया जाता है। इसके विभिन्न स्तरों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. संगठन विकास से आपका क्या अभिप्राय है? संगठन विकास की प्रक्रिया एवं अवस्थाओं को समझाइए।

प्रश्न 6. संगठन विकास कार्यक्रम में विकास सलाहकार की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. संगठन विकास में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8. संगठन विकास कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक विभिन्न मूल्यों/मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 9. औद्योगिक संस्थाओं द्वारा कर्मचारियों के हितार्थ रखी जाने वाली भविष्य निधि के प्रावधानों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) संगठनात्मक परिवर्तन की प्रकृति
(ख) संगठन विकास के उद्देश्य
(ग) श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम के मुख्य उपबंध
(घ) कर्मचारी संगठन बनाम औद्योगिक नियम

अनुक्रमांक : कोड : **MMS 020**

एमबीए

वर्ष : 2010-2013

चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन), प्रश्नपत्र – 04

औद्योगिक सन्नियम

समय: 3 घंटे पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. **अंतिम प्रश्न** अनिवार्य है।
2. शेष में से **किन्हीं चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. भारत में श्रम सन्नियमों की आवश्यकता बताते हुए उसके सिद्धांतों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत मजदूरी के विभिन्न सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 4. श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों को विश्लेषित कीजिए।

प्रश्न 5. कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकार तथा कर्तव्यों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 6. उपदान के संबंध में दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग 2002 की सिफारिशों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7. सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा को विवेचित करते हुए इसके विभिन्न उद्देश्यों को समझाइए।

प्रश्न 8. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अधिनियम के उल्लंघन पर दी जाने वाली शक्तियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 9. औद्योगिक नियम किस प्रकार से श्रमिकों के कल्याणार्थ अपनी भूमिका निभा रहे हैं? समझाइए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
(क) बाल श्रमिकों के लिए कार्य-समय
(ख) औद्योगिक न्यायाधिकरण
(ग) बोनस के भुगतान संबंधी प्रावधान
(घ) कर्मचारी परिवार पेंशन योजना